राजधानी
वर्ष 11 । अंक 61 । पृष्ठ : 20+8=28
मूल्य : चार रुपये
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
शनिवार, 25 अगस्त 2018

संस्कृति को कानून के राज की जरूरत

लखनऊ। आज हमारी संस्कृति को सबसे ज्यादा जरूरत है कानून के राज की है। अगर हम कानून के राज को स्थापित कर दें तो ये हमारी सबसे अच्छी संस्कृति होगी। यूनाइट फाउंडेशन की ओर से 'हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आजाद अभिव्यक्ति' कार्यक्रम में शुक्रवार को ये विचार वक्ताओं ने रखे। इस मौके पर परिचर्चा एवं रचनात्मक प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जानकीपुरम स्थित राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला के सभागार में हुए कला एवं शिल्प महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

'हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आजाद अभिव्यक्ति' संगोष्ठी

समारोह को पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) महेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के उपाध्यक्ष आचार्य श्यामलेश तिवारी, राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला के महानिदेशक बी.वी. खरबड़े ने भी संबोधित किया। इस मौकेपर दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के अध्यक्ष भरत राज सिंह ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब ये नहीं कि हम निरंकुश हो जाएं। आयोजक संस्था यूनाइट फाउंडेशन के सचिव सौरभ मिश्र ने बताया सांस्कृतिक धरोहर का मतलब सिर्फ मंदिर या स्मारक संरक्षण तक ही सीमित नहीं है। सात से 20 अगस्त तक हुए ऑनलाइन प्रतियोगिता व कला एवं शिल्प महाविद्यालय में हुए कला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ब्यूरो